SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 10

समकालीन भारत - 2

अध्याय - 4

कृषि

भाग - 3

पंकज वैष्णव

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सामाजिक विज्ञान

समकालीन

भारत – 2

कक्षा 10 के लिए भूगोल की पाठ्यपुस्तक

विषय-सूची

	आमुख	iii
	पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन	v
1.	संसाधन एवं विकास	1
2.	वन एवं वन्य जीव संसाधन	13
3.	जल संसाधन	19
4.	कृषि	30
5.	खनिज तथा ऊर्जा संसाधन	42
6.	विनिर्माण उद्योग	58
7.	राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ	72
	परिशिष्ट–क	86
	परिशिष्ट–ख	87
	शब्दावली	88

© NCERT not to be republished

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कृषि

चावल
गेहूं

दालें

- भारत विश्व में दालों का सबसे बड़ा उत्पादक तथा उपभोक्ता देश
- शाकाहारी खाने में दालें सबसे अधिक प्रोटीन-दायक होती हैं
- दालों को कम नमी की आवश्यकता होती है
- शुष्क परिस्थितियों में भी उगाया जा सकता है

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कृषि

- फलीदार फसलें होने के नाते (अरहर को छोड़कर अन्य सभी दालें) वायु से नाइट्रोजन लेकर भूमि की उर्वरता को बनाए रखती हैं। अतः इन फसलों को आमतौर पर अन्य फसलों के आवर्तन (rotating) में बोया जाता है।

- मुख्य दलहनी फसले :- तुर (अरहर), उड़द, मूँग, मसूर, मटर, चना

- मुख्य उत्पादक राज्य :-
  मध्यप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, कर्नाटक

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कृषि



अन्य खाद्य फसलें

गन्ना

उत्तरप्रदेश
महाराष्ट्र

- उष्ण और उपोष्ण-कटिबंधीय फसल
- उष्ण और आर्द्र जलवायु
- 21° से 27° सेल्सियस तापमान
- 75 से 100 सेमी. वार्षिक वर्षा
- कम-वर्षा वाले प्रदेशों में सिंचाई की आवश्यकता
- काफी शारीरिक श्रम की आवश्यकता
- चीनी, गुड़, खांडसारी, शीरा बनाने के काम आता है

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कृषि



चित्र 4.8 – गन्ने की कृषि

- ब्राजील के बाद भारत गन्ने का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश
- मुख्य उत्पादक राज्य
  उत्तर-प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु,
  आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, बिहार, पंजाब, हरियाणा

गन्ने की फसल को तैयार होने में लगभग एक वर्ष लगता है।

१५ महीने

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कृषि



तिलहन → बीज → तेल

- 2018 में भारत विश्व में (चीन के बाद) दूसरा बड़ा तिलहन उत्पादक
- देश में कुल बोए गए क्षेत्र के 12% क्षेत्र पर तिलहन की फसलें उगाई जाती हैं।

मुख्य तिलहन फसलें

मूँगफली, सरसों, नारियल, तिल, सोयाबीन, अरंडी, अलसी, सूरजमुखी

- अधिकतर खाद्य हैं (खाना बनाने में प्रयोग)

कुछ को साबुन, प्रसाधन (श्रृंगार का सामान) और उबटन उद्योग में कच्चे माल के रूप में भी प्रयोग किया जाता है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कृषि



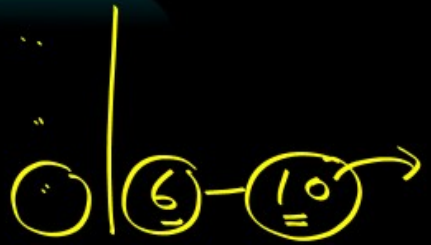
चित्र 4.9 – मैदान में कटाई के लिए तैयार मूँगफली, सूरजमुखी और सरसों

कृषि

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



मूँगफली



- खरीफ की फसल
- देश में मुख्य तिलहनों के कुल उत्पादन का आधा भाग इसी फसल से
- प्रमुख उत्पादक राज्य
  गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु

अलसी , सरसों :- रबी की फसलें

तिल :- उत्तर-भारत में खरीफ और दक्षिण-भारत में रबी

अरंडी :- खरीफ और रबी दोनों

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कृषि

पेड़ पौधा

चाय

- रोपण कृषि → बड़े-बड़े बागान → एकल → श्रमिक / मुंशी
- शुरुआत में अंग्रेज़ भारत में लाए थे।
  आज अधिकतर चाय-बागानों के मालिक भारतीय हैं।
- उष्ण और उपोष्ण कटिबंधीय जलवायु
- वर्ष भर कोष्ण, नम और पालारहित जलवायु की आवश्यकता
- ह्यूमस और जीवांश युक्त गहरी मिट्टी

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कृषि

- सुगम जल-निकास वाले ढलवाँ क्षेत्रों में
- वर्ष-भर समान रूप से होने वाली वर्षा की बौछारें इसकी कोमल पत्तियों के विकास में सहायक होती हैं।
- श्रम- सघन उद्योग (प्रचुर मात्रा में सस्ता और कुशल श्रम चाहिए)
- इसकी ताजगी बनाए रखने के लिए चाय की पत्तियाँ बागान में ही संसाधित की जाती हैं।

कृषि

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- चाय के मुख्य-उत्पादक क्षेत्र :-
  - असम
  - पश्चिम-बंगाल (दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी की पहाड़ियाँ)
  - तमिलनाडु
  - केरल
- इनके अलावा हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, मेघालय, आंध्रप्रदेश, त्रिपुरा आदि राज्यों में भी चाय उगाई जाती है।
- 2018 में भारत, चीन के बाद दूसरा बड़ा चाय उत्पादक देश था।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कृषि



चित्र 4.10 – चाय की कृषि



चित्र 4.11 – चाय की पत्तियों को चुनतीं श्रमिक महिलाएँ

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कृषि

दार्जिलिंग

कॉफ़ी

- भारतीय कॉफ़ी अपनी गुणवत्ता के लिए विश्वविख्यात है।
- हमारे देश में अरेबिका-किस्म की कॉफ़ी पैदा की जाती है जो आरम्भ में यमन से लाई गई थी।
- इस किस्म की विश्व-भर में अधिक माँग है।
- इसकी कृषि की शुरुआत बाबा-बूदन पहाड़ियों से हुई और आज भी इसकी खेती नीलगिरि की पहाड़ियों के आस पास (कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में) की जाती है।

कर्नाटक

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कृषि

बागवानी फसलें → फल - सब्जियाँ

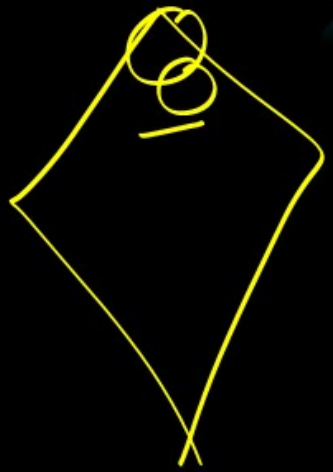
शीतोष्ण

शीत + उष्ण

- 2018 में भारत का फलों और सब्जियों के उत्पादन में चीन के बाद दूसरा स्थान था।
- भारत उष्ण और शीतोष्ण कटिबंधीय दोनों ही प्रकार के फलों का उत्पादक है।
- भारतीय फलों की विश्वभर में बहुत माँग है।

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कृषि



- महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, उत्तरप्रदेश, पश्चिम-बंगाल के आम
- नागपुर, चेरापूँजी (मेघालय) के संतरे
- केरल, मिजोरम, महाराष्ट्र, तमिलनाडु के केले
- उत्तरप्रदेश, बिहार की लीची
- मेघालय के अनन्नास
- आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र के अंगूर
- हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर के सेब, नाशपाती, खूबानी, अखरोट

- भारत का मटर, फूलगोभी, बंदगोभी, प्याज, टमाटर, आलू, बैंगन उत्पादन में प्रमुख स्थान है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कृषि



चित्र 4.12 – अखरोट, सेब और अनार

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कृषि

अखाद्य फसलें

रबड़



- महत्वपूर्ण कच्चा माल है जो उद्योगों में प्रयुक्त होता है।
- भूमध्य-रेखीय क्षेत्र की फसल
  परंतु, विशेष परिस्थितियों में उष्ण और उपोष्ण क्षेत्रों में भी उगाई जाती है।
- 200 सेमी. से अधिक वर्षा
  25° सेल्सियस से अधिक तापमान
- नम और आर्द्र जलवायु की आवश्यकता होती है।
- इसे मुख्य रुप से केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह और मेघालय (गारो पहाड़ियों) में उगाया जाता है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कृषि

रेशेदार फसलें

- भारत में उगाई जाने वाली चार मुख्य रेशेदार फसलें:-
  कपास, जूट, सन, प्राकृतिक-रेशम

- इनमें से पहली तीन मिट्टी में फसल उगाने से प्राप्त होती हैं;
  चौथी रेशम के कीड़े के कोकून से प्राप्त होती है

(रेशम का कीड़ा मलबरी पेड़ की हरी पत्तियों पर पलता है)
(रेशम-उत्पादन के लिए रेशम के कीड़ों का पालन 'रेशम उत्पादन' (Sericulture) कहलाता है)

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कृषि



कपास

- भारत को कपास के पौधे का मूल-स्थान माना जाता है।
- सूती कपड़ा उद्योग में कपास एक मुख्य कच्चा माल है।
- कपास उत्पादन में भारत का विश्व में चीन के बाद दूसरा स्थान है (2017)
- दक्कन पठार में काली-मिट्टी कपास उत्पादन के लिए उपयुक्त मानी जाती है।
- उगाने के लिए उच्च तापमान, हल्की वर्षा या सिंचाई, 210 पाला रहित दिन और खिली धूप की आवश्यकता होती है।
- यह खरीफ की फसल है और इसे पककर तैयार होने में 6 से 8 महीने लगते हैं।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कृषि

खरीफ



चित्र 4.14 – कपास की कृषि

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

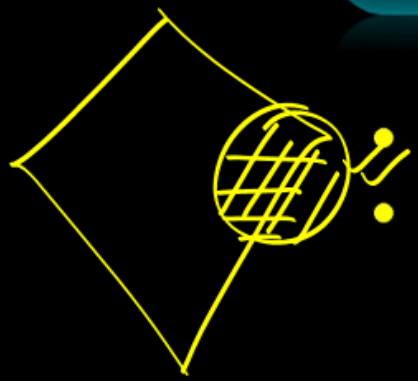
कृषि

- मुख्य उत्पादक राज्य
- महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कृषि



जूट

"सुनहरा रेशा"

- जूट की फसल बाढ़ के मैदानों में जलनिकास वाली उर्वरक मिट्टी में उगाई जाती है जहाँ हर वर्ष बाढ़ से आई नई मिट्टी जमा होती रहती है।
- इसके बढ़ने के समय उच्च तापमान की आवश्यकता होती है।
- मुख्य उत्पादक राज्य

  पश्चिम बंगाल, बिहार, असम, ओडिशा, मेघालय
- प्रयोग :-बोरियाँ, चटाई, रस्सी, तंतु व धागे, गलीचे आदि बनाने में
- इसकी उच्च लागत और कृत्रिम रेशों (विशेषकर नाइलोन) की कीमत कम होने के कारण बाज़ार में इसकी माँग कम